COPYRIGHT RESERVED

Degree (Part-1) Examination 2021

(Session-2020-23)

B.A. (Honours)

Sanskrit

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 100*

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।

1- निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिएः 15x4=60

(क) कालिदास कृत पूर्वमेघ में वर्णित मेघ के मार्ग का वर्णन करें।

(ख) 'मेघदूतम्' के खण्डकाव्यत्व की समीक्षा कीजिए।

(ग) किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग में वर्णित द्रौपदी के कथन का सारांश लिखिए।

(घ) किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग का सारांश लिखें।

(ड.) कुमारसम्भवम् के पंचम सर्ग का सारांश लिखें।

(च) कुमारसम्भवम् के पंचम सर्ग के आधार पर पार्वती की तपस्या का वर्णन कीजिए।

(छ) रघुवंशम् महाकाव्य के त्रयोदश सर्ग का सारांश लिखिए।

(ज) रघुवंशम् महाकाव्य के त्रयोदश सर्ग में वर्णित प्रकृति–चित्रण का वर्णन करें।

2- निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसc व्याख्या कीजिए। 10x2=20

(क) तथा समक्षं दहता मनोभवं पिनाकिना भग्नमनोरथा सती।

निनिन्द रूपं हृदयेन पार्वती प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारूता।।

(ख) वैदेहि पश्यामलयाद्विभक्तं मत्सेतुना फेनिलमम्बुराशिम्।

छायापथेनेव शरत्प्रसन्नमाकाशमाविष्कृत चारूतारम्।।

(ग) क्रियासुयुक्तैर्नृप! चारचक्षुसो

न वGचनीयाः प्रभवोऽनुजीविनिः।

अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा

हितं मनोहारिच दुर्लभं वचः।।

(घ) तस्य स्थित्वा कथमपि पुरः कौतुकाघानहेतो–

रन्तर्वाष्पश्चिरमनुचरो राजराजस्य दध्यौ।

मेघालोके भवति सुखिनोऽप्यन्यथावृत्ति चेतः

कण्ठाश्लेषप्रणयिनि जने किं पुनर्दूरसंस्थे।।

3- निम्नलिखित श्लोकों का अनुवाद हिन्दी अथवा अंग्रेजी में करें। 10x2=20

(क) कश्चितकान्ताविरहगुरूणा स्वाधिकारात्प्रमत्रः
शापेनास्तcमितमहिमा वर्षभोग्येण भर्त्तुः।
यक्षश्चक्रे जनकतनया स्नानपुण्योदकेषु
स्निग्धच्छायातरूषु वसतिं रामगिर्याश्रमेषु।।

(ख) इयेष सा कर्तुमवन्ध्यरूपतां
समाधिमास्थाय तपोभिरात्मनः।
अवाप्यते वा कथमन्यथा द्वयं
तथाविधं प्रेम पतिश्च तादृशः।।

(ग) श्रियः कुरूणामाधिपस्य पालनीं
प्रजासु वृत्तिं यमयुङ्क्त वेदितुम्।।
स वर्णिलिcी विदितः समाययौ
युधिष्ठिरं द्वैतवने वनेचरः।।

(घ) अथात्मनः शब्दगुणं गुणज्ञः
पदं विमानेन विगाहमानः।
रत्नाकरं वीक्ष्य मिथः स
जायां रामाभिधानो हरिरित्युवाच।।

****